बी.एड. पाठ्यक्रम हेतु दत्तकार्य

द्वितीय वर्ष

(जुलाई २०१९ सत्र)

शिक्षा विद्यापीठ

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय,

मैदानगढ़ी, नयी दिल्ली-११००६८

बी. एड. द्वितीय वर्ष
सत्र जुलाई-२०१९ हेतु दत्तकार्य

बी.ई.एस. १२६: ज्ञान एवं पाठ्यचर्या

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं.

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग ५०० शब्दों में दीजिये.

१. पाठ्यचर्या नियोजन के लिए मनोवैज्ञानिक विचारों के महत्व की व्याख्या कीजिये.

२. जानने की प्रक्रिया में संस्कृति की भूमिका को उदाहरणों की सहायता से स्पष्ट कीजिये.

३. अपनी रूचि का एक प्रकरण चुनकर सुझाइए कि आप विद्यार्थियों के अधिगम को बढ़ाने के लिए पाठ्यचर्या का परिस्थितिकरण कैसे करेंगे?

बी. ई. एस. १२७ : अधिगम के लिए आकलन

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं.

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग ५०० शब्दों में दीजिये.

१. आकलन के रचनावादी परिप्रेक्ष्य के संप्रत्यय की व्याख्या कीजिये. अधिगम के आकलन और अधिगम के लिए आकलन में अंतर बताइए.

२. विश्वसनीयता के संप्रत्यय की व्याख्या कीजिये. एक परीक्षण की विश्वसनीयता स्थापित करने के लिए प्रयोग होने वाली विभिन्न विधियों की चर्चा कीजिये.

३. "विद्यार्थी पार्श्वचित्र (students profile) के संप्रत्यय की व्याख्या कीजिये. पास के एक माध्यमिक विद्यालय का भ्रमण करके निम्नलिखित क्षेत्रों में एक विद्यार्थी पार्श्वचित्र निर्मित कीजिये:

   अ. शैक्षणिक उपलब्धि

   आ. अधिगम शैली एवं मजबूत पक्ष

   इ. रुचियाँ

   ई. विशिष्ट योग्यताएँ

   उ. दृष्टिकोण एवं भविष्य के लक्ष्य

बी. ई. एस. १२८ : एक समावेशी विद्यालय का निर्माण

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं.

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग ५०० शब्दों में दीजिये.

१. आप शिक्षा में विविधता और समावेशन से क्या समझते हैं? उचित उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिये.

२. एक समावेशी कक्षा-कक्ष की विभिन्न शिक्षण-अधिगम युक्तियों की चर्चा कीजिये.

३. एक विद्यार्थी-शिक्षक के रूप में आप किस प्रकार एक समावेशी विद्यालय के निर्माण हेतु संसाधनों का प्रचालन करेंगे?

बी. ई. एस. १२९ : जेंडर, विद्यालय और समाज

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं.

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग ५०० शब्दों में दीजिये.

१. विभिन्न जेंडर सम्बन्धी मूलभूत संप्रत्ययों की विस्तृत चर्चा कीजिये.

२. विद्यालयों में जेंडर सम्बन्धी विभिन्न शिक्षणशास्त्रीय अभ्यासों की चर्चा कीजिये.

३. एक बिद्यार्थी-शिक्षक के रूप में आप किस प्रकार कक्षा-कक्ष में जेंडर-समानता प्रोत्साहित करेंगे?

बी. ई. एस. ई. १३१ : मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं.

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग ५०० शब्दों में दीजिये.

१. संचार माध्यमों, प्रौद्योगिकी एवं दूरस्थ शिक्षा में सम्बन्ध की व्याख्या कीजिये.

२. भारत में एकल माध्यम एवेम द्वि-माध्यम विश्वविद्यालयों के समस्याओं एवं चुनौतियों की चर्चा कीजिये.

३. दूरस्थ शिक्षा में सम्मिलित विभिन्न प्रकार की लागतों की पहचान कीजिये. उदाहरण सहित व्याख्या कीजिये की किस प्रकार दूरस्थ शिक्षा में लागत प्रकार्यों को ये लागतें प्रभावित करती हैं?

बी. ई. एस. ई.-१३२ : निर्देशन एवं परामर्श

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं.

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग ५०० शब्दों में दीजिये.

१. साथी परामर्श क्या है? साथी परामर्शदाता के प्रकार्यों की चर्चा कीजिये.

२. परामर्श के विभिन्न कौशलों की व्याख्या कीजिये.

३. आपके शिक्षार्थियों के जीवन में तनाव के विविध स्रोतों का वर्णन कीजिये. आप तनाव से निपटने के लिए संज्ञानात्मक और व्यवहारात्मक युक्तियों को विकसित करने में उनकी सहायता कैसे करेंगे.

बी. ई. एस. ई.-१३५ : सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं.

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग ५०० शब्दों में दीजिये.

१. अधिगम के व्यवहारात्मक और रचनावादी सिद्धान्तों में अंतर स्पष्ट कीजिए. शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी के प्रयोग में इन सिद्धान्तों की उपादेयता की संक्षिप्त चर्चा कीजिये.

२. समावेशी कक्षा-कक्ष से आपका क्या अभिप्राय है? चर्चा कीजिये कि समावेशी कक्षा-कक्ष में बच्चों के शिक्षण में सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी कैसे प्रयोग हो सकती है?

३. माध्यमिक विद्यालय के पाठ्यक्रम से अपनी रूचि का एक प्रकरण चुनिए. इस प्रकरण के शिक्षण हेतु उचित सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी का चयन कीजिये. सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी का चयन करते समय आपके द्वारा ध्यान में रखने योग्य कारकों की चर्चा कीजिये.